Haribhoomi. Sunday, 31 October, 2010

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हरिभूमि

रविवार / रोहतक

31 अक्टूबर 2010

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित ■ वर्ष : 14, अंक : 321 ■ कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, नवमी 2067

5

आतंकी साजिश का यात्रा पर प्रभाव नहीं

बातचीत | प्रसिद्ध भजनोपदेशक अनूप जलोटा पत्रकारों से हुए रू-ब-रू

एकाग्रता बिना मंजिल तक पहुंचना मुश्किल

बोले जलोटा

जीवन सादे कागज की तरह, इसे सादा कागज ही न रहने दें बल्कि एक ऐसा डोक्यूमेंट बनाएं जो तरक्की की राह दिखाए

हरिभूमि न्यूज

करनाल। प्रसिद्ध भजनोपदेशक अनूप जलोटा ने कहा कि जीवन सादे कागज की तरह है, इसे सादा कागज ही न रहने दें बल्कि एक ऐसा डोक्यूमेंट बनाएं जो तरक्की की राह दिखाए। जलोटा एक होटल में तथास्तु मैगजीन की लांचिंग के मौके पर पत्रकार वार्ता में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि आज मनुष्य में एकाग्रता व धैर्यता नहीं है जिस कारण वह मंजिल तक नहीं पहुंच पाता इसलिए मनुष्य को अपने अंदर इन सभी चीजों का समावेश करना पड़ेगा तभी मंजिल तक पहुंचा जा सकता है। आज तनाव भरे जीवन को

शांति प्रिय तरीके से जीने के लिए कई चीजों का होना जरूरी है। इसमें एकाग्रता, सहनशीलता, अध्यात्मिक क्रियाएं शामिल हैं।

उन्होंने भजनों के शुद्धिकरण पर बल देते हुए कहा कि यदि भजन में शुद्धता होंगी तो वह लंबे अर्से तक गुन गुनाया जाएगा। ऐसी लागी लगन, मीरा हो गई मगन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि इस भजन को 35 साल पहले उन्होंने गाया था। आज यह भजन युवा पीढ़ी भी गुनगुनाती है इसलिए ऐसे भजन तैयार किए जाएं जिनमें शुद्धता हो और वह बरसों तक लोगों के जहन में रहे। उनके साथ पहुंचे अध्यात्मिक उपचारकर्ता चामुंडा स्वामी ने कहा कि मनुष्य आज कई कारणों से दुखी है। यह समस्याएं मनुष्य ने खुद ही पैदा की हैं और इनसे लड़ने की शक्ति भी मनुष्य में है, लेकिन इसका प्रयोग नहीं किया जाता, जिस कारण यह समस्याएं मनुष्य को घेरे हुए हैं। आज का मनुष्य उलझन भरी जिंदगी जी रहा है।

उलझन से निकलना ही सार्थक जीवन है। सामाजिक बुराइयों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि आज इसके रूपांतरण की आवश्यकता है। मसलन लालच नहीं होगा तो मनुष्य आगे नहीं बढ़ेगा, उनका कहने का भाव था कि इन बुराइयों के अच्छे गुण अपनाए जाएं। इस मौके पर तथास्तु पत्रिका के चीफ एडिटर जार्ज भाला ने बताया कि मैगजीन में तनाव मुक्त जीवन जीने के तरीके बताए गए हैं और विदेशों में अपना सफर तय करने के बाद देव भूमि के पालमपुर से इसकी लांचिंग की गई है। देश के महान संतों द्वारा जिंदगी जीने के तरीके इस पत्रिका के माध्यम से बताए गए हैं।